SANMARG 25 NOV 2007

खुद रचनास्त्रोत बने इंसान-सद्‌गुरु

कोलकाता : आंतरिक अभियांत्रिकी से ही मानव को सही मायने में शांति मिल सकती है। इंसान का दिमाग अगर शांत हो तो वह खुद ही रचना का स्त्रोत बन सकता है। यह कहना है ईशा फाउण्डेशन के संस्थापक तथा व्यवस्थापक सद्‌गुरु का। फिलहाल एक 6 दिवसीय शिविर में भाग लेने कोलकाता आये सद्‌गुरु ने कहा कि मनुष्य अगर अपने दिमाग, श्वास तथा शरीर पर काबू पा सकता है तो अपने भावों पर उसका नियंत्रण होगा। मशहूर उद्योगपति हर्ष वर्धन नेवटिया के आमंत्रण पर सद्‌गुरु पहली बार कोलकाता में इस शिविर में भाग लेने आये हैं। सद्‌गुरु ने यह भी कहा कि इंसान अगर खुश होता है तो ही किसी अन्य विषय पर ध्यान देता है। नंदीग्राम मसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नंदीग्राम की घटना पहली बार नहीं हुई है। मानवता ने इससे भी ज्यादा बर्बर समय का सामना किया है, लोगों को मिलकर इन समस्याओं का उपाय खोजना होगा। सद्‌गुरु एक ऐसी तकनीक से लोगों को वाकिफ कराते हैं जिसके जरिए कुछ ही घण्टों में मनुष्य अपनी इन्द्रियों पर काबू पा सकता है। ईशा फाउण्डेशन तमिलनाडु के कई पिछड़े इलाकों में जनकल्याण का काम करता है।